

* ओडिशा संस्करण
30 अक्टूबर, 2022
कार्तिक, शुक्ल पक्ष, षष्ठी
संवत् 2079
पृष्ठ : 12, ग्रूप : ₹3.00

रांची

रविवार, वर्ष 08, अंक 12

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही



आस्था, पवित्रता व सूर्य
उपासना के महापर्व

छठ पूजा

हार्दिक की
शुभकामनाएँ



रमेश सिंह

कार्यसमिति सदस्य
(भाजपा झारखण्ड प्रदेश)



बेमतलब है करेसी नोट पर फोटो की सियासत

आजादी के बाद से कई बार भारतीय करेसी नोट में बदलाव हुए

मुद्रा या करेसी किसी भी देश की संप्रभुता और ऐतिहासिक-सांस्कृतिक पहचान की प्रतीक होती है और इसमें मामूली सा बदलाव भी दूनिया भर में उस देश की साथ को किसी रूप में प्रभावित करता है। इसलिए कई भी देश अपनी करेसी में किसी प्रकार का बदलाव करते तभी तमाम जरूरतों और बारीकियों को ध्यान में रखता है। इधर पिछले कुछ दिनों से भारत में करेसी नोट में बदलाव को लेकर बातें होती रही हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नोट पर लक्षणी-

गणेश की तस्वीर लगाने की मांग कर जो सियासी चाल चली है, उसका सकारात्मक असर हो या नहीं, लेकिन देश के लोग इस मांग को बेमतलब मान रहे हैं। भारतीय रिंजन वैकं शेषों में, औपरी रिंजन क्यावस्था से आजाद भारत में करेसी मैनेजमेंट का अंतरण काफी सहज तरीके से हुआ था।

आजादी के बाद एक नये करेसी नोट की जरूरत महसूस की जा रही थी, जबकि तब की मौजूदा नोटों में ब्रिटेन के शासक किंग जॉर्ज पठम की तस्वीर थी। ऐसा डिफरेंट रूप से था, जबकि भारत एक ब्रिटिश उपनिवेश था, इसलिए जॉर्ज पठम भारत के भी समान थे। इसलिए आजादी के बाद से लेकर भारत के गणराज्य बनने (1950) के बीच की अवधि में रिंजन वैकं द्वारा जॉर्ज फोटो की मांग को लेकर सवाल उठाते हुए कांग्रेस के मनीष तिवारी ने बात की गांधी के साथ डॉ अंबेडकर के तस्वीरें बोंबे नहीं चुन सकते? इन बायानों-प्रतिक्रियाओं से भारत चलता है कि आगामी गुजरात चुनाव को देखते हुए भारतीय मुद्रा में हिंदू-देवी-देवताओं की भारत सरकार ने एक रूपये के नोट के लिए, नवी डिजाइन जारी की। इस नवी डिजाइन के पीछे दीवाली के अंतर्गत रिंजन के निर्णय पर यह जारी जॉर्ज की तस्वीर लगाने की जरूरत पर समान रूप से एक सुरक्षित व्यक्त की गयी थी, वहीं दूसरी ओर इस बात पर असहमति यह जानना दिलचस्प होता कि जॉर्ज के लिए एक साल दर साल आखिर भारतीय नोट में कैसे बदलाव आया है।

15 अप्रूव, 1947 की मध्य रात और प्रार्थनेश्वर क्विटिंग शासन से भारत को आजादी मिली। चूंकि उसे समय भारत की मुद्रा ब्रिटिश

2022 तक भारतीय रूपये में कब-कब नोट से बदलाव हुए। यह सही है कि केजरीवाल की मांग पूरी तरह सियासी है और उनकी विशेष

पैदा करेगी। लेकिन केजरीवाल की मांग की पृष्ठभूमि में यह जानना दिलचस्प है कि नोट पर गांधी जी की फोटो क्या आयी और आजादी से होने वाली नोट के इन लोगों को यह जानकारियों को बार-बार से बता रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश और गुजरात में होनेवाले विधानसभा चुनावों पर है, लेकिन लोगों को यह जानकारी नहीं है कि भारतीय नोट के स्वरूप में कब क्या बदलाव हुए। इतना ही नहीं, सवाल यह भी है कि इन्हींमें धार्मिक चित्र यादी मुद्रा में प्रिंट किये गये थे, तो वे चित्र कौन थे? करीब दो सौ साल तक अंग्रेजों के अधीन रहे भारत में करेसी नोट के इन अंतर में कैसे थे, यह जानना भी दिलचस्प है। भारतीय करेसी नोट के इन बदलावों से जुड़ी जानकारियों को बार-बार से बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राहुल सिंह।

देश की वैज्ञानिक उपलब्धियों और प्रगति को शामिल किया गया। करेसी नोट में भारत के पहले उपग्रह अर्यामेंट के प्रतीक और बायड कलर शिपिट्टन मैशेन-रीडेरेल मैनेट्रिक विंडोड सिक्योरिटी थ्रेस्स और अलग-अलग नोटों में कैसे थे, यह जानना भी दिलचस्प है। भारतीय करेसी नोट के इन बदलावों को यह जानकारियों को बार-बार से बता रहे हैं।

भी शामिल की गयी थीं। 2005 में इन नोटों के सिक्योरिटी फीचर को अपग्रेड किया गया, जिसके तहत बायड कलर शिपिट्टन मैशेन-रीडेरेल थ्रेस्स और अलग-अलग नोटों के सेरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की प्राप्ति की तस्वीर भी शामिल थी। फिर कोणार्क चक्र, शालीमार गार्डन, मेर जैसे और अधिक भारतीय करेसी को शामिल करते हुए करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 1980 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। इसके बाद तस्वीर करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 1990 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 1996 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2005 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2015 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2016 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2017 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2018 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2019 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2020 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2021 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2022 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भारतीय करेसी नोट पर गांधी की तस्वीर के नोटों में भी बदलाव करते हुए करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। इसके बाद तस्वीर करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। इसके बाद तस्वीर करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। इसके बाद तस्वीर करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2022 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भारतीय करेसी नोट पर गांधी की तस्वीर के नोटों में भी बदलाव करते हुए करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। इसके बाद तस्वीर करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2022 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भारतीय करेसी नोट पर गांधी की तस्वीर के नोटों में भी बदलाव करते हुए करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। इसके बाद तस्वीर करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2022 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भारतीय करेसी नोट पर गांधी की तस्वीर के नोटों में भी बदलाव करते हुए करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। इसके बाद तस्वीर करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2022 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भारतीय करेसी नोट पर गांधी की तस्वीर के नोटों में भी बदलाव करते हुए करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। इसके बाद तस्वीर करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2022 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भारतीय करेसी नोट पर गांधी की तस्वीर के नोटों में भी बदलाव करते हुए करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। इसके बाद तस्वीर करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2022 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भारतीय करेसी नोट पर गांधी की तस्वीर के नोटों में भी बदलाव करते हुए करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। इसके बाद तस्वीर करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2022 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भारतीय करेसी नोट पर गांधी की तस्वीर के नोटों में भी बदलाव करते हुए करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। इसके बाद तस्वीर करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी। 2022 की करेसी नोटों की सीरीज में हाँगकूंड बांध और कृषि यंत्रीकरण की गयी थी।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भारतीय

गोपालमी महोत्सव एक को, निकलेगी शोभायात्रा

आजाद सिपाही संचालनदाता

आहार दान में दे सकते हैं। इस अवधि पर सुबह नौ बजे हरमू रोड स्थित गोशाला प्रांगण से एक विशाल शोभायात्रा नगर भ्रमण को नववर को रांची गोशाला प्रांगण में होगी। रांची गोशाला के अध्यक्ष पुनीत कुमार पोदवर ने बताया गोपालमी महोत्सव के लिए महोत्सव संयोजक सज्जन कुमार सराफ ने बताया कि एक नववर को प्रातः 7:30 बजे श्री गणेश पूजन के साथ श्री गोपालमी महोत्सव प्रारंभ हो जायेगा। गो पूजन गो दर्शन सुबह 8 बजे से तथा प्रातः 8:30 बजे से तुलादान के माध्यम से गो



OXFORD (N) SCHOOL
(A Play School)

Bahu Bazar, Opp. Yogda Math, Ranchi; Phone: 7485096734/35
REGISTRATION FOR ADMISSION -
PRE-NURSERY, NURSERY & PREP

Registration forms for admission in Pre-Nursery, Nursery & Prep for the session 2023-24 will be available in the school office from 1.11.2022 to 25.11.2022 on working days (Timing – 8:30 a.m. to 1:00 p.m.). For further details, contact school office or visit www.oxfordkidsworld.org. Parents must carry a copy of the Municipal Birth Certificate and Aadhar Card to procure the registration form. BUS FACILITY AVAILABLE.
Principal



OXFORD PUBLIC SCHOOL
Pragati Path, Old H.B. Road, Ranchi; Phone: 7485096733

REGISTRATION FOR ADMISSION -
NURSERY, PREP & STD-I

Registration forms for admission in Nursery, Prep and Std-I for the session 2023-24 will be available in the Junior Wing office counter and on school's official website www.oxfordpublicschool.net.in from 1.11.2022 to 25.11.2022 on working days (Timing – 8:30 a.m. to 1:00 p.m.). Parents must carry a copy of the Municipal Birth Certificate and Aadhar Card to procure the registration form. BUS FACILITY AVAILABLE.
Principal



ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई)

विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक सांविधिक निकाय
चौथा तल, सेवा भवन, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110066 (भारत)
Website: www.beeindia.gov.in, फोन: 011-26766700



सार्वजनिक सूचना

कुछ विनिर्माता बीईई के अधिकृत स्टार लेबल के बिना एलईडी बल्ब बेच रहे हैं, जो ऊर्जा संरक्षण अधिनियम की धारा 14 का उल्लंघन है। इसलिए, यह सलाह दी जाती है कि खरीदारी करने से पहले हमेशा उत्पादों के स्टार लेबल की जाँच करें।

उत्पाद पर प्रदर्शित स्टार लेबल की प्रामाणिकता की जाँच करने के लिए, बीईई के पोर्टल पर जाएं।

www.beestarlabel.com/SearchCompare



अधिकृत लेबल



अनधिकृत लेबल

CBC 34/06/12/2008/2223

ऊर्जा दक्षता के लिए हमेशा बीईई स्टार रेटेड उपकरणों को प्राथमिकता दें

राज्य सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

रमेश बैस
राज्यपाल, झारखण्ड

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूर्य उपासना एवं लोक आस्था के महापर्व

छठ पूजा

के थ्रुभ अवसर पर समस्त झारखण्डवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं
और जोहार

P.R. 281077 (IPRD) 22-23

सूर्य उपासना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

सूर्य उपासना व लोक आस्था के महापर्व

छठ पूजा

की हार्दिक
शुभकामनाएं

जैलेन्ड्र कुमार

पूर्व जिला अध्यक्ष
रांची ग्रामीण जिला

झामुमो कार्यकर्ताओं ने छठ व्रतियों के बीच किया दूध का वितरण खूंटी (आजाद सिपाही)। छठ महापर्व के अवसर पर शुक्रवार को झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुदीप गुड़िया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर खरना के लिए दूध का वितरण किया। सुदीप गुड़िया और तपकारा पंचायत मुखिया और झामुमो नेत्री रोशनी गुड़िया द्वारा व्रतियों के बीच दूध वितरण किया गया। सुदीप गुड़िया ने कहा कि आस्था का महापर्व छठ पर हम सभी छठी मईया से प्रार्थना करें कि लोगों के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आये। मुखिया रोशनी गुड़िया ने लोगों को छठ की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर झामुमो पंचायत अध्यक्ष बिमल बरला, प्रदीप केशरी, अजय गुप्ता, अनिल गुप्ता, अनुज गुड़िया, अरमान तोपनो, अमित स्वासी, निपुण चौधरी और पंकज चौधरी आदि उपस्थित थे।

परंपरा : कर्रा के सरदुल्ला पड़हा जतरा में उमड़ी ग्रामीणों की भारी भीड़
युवा पीढ़ी के कँधों पर है ऐतिहासिक परंपरा
को बचा कर रखने की जिम्मेवारी : नीलकंठ

आजाद सिपाही संवाददाता

A photograph showing a massive outdoor gathering of people, likely a political rally or public event. In the foreground, a man wearing a white shirt and an orange marigold garland around his neck is speaking into a black microphone. He is looking towards the left side of the frame. Behind him, a dense crowd of people, mostly young men, is visible, some wearing red shirts. The background features a clear blue sky and several large trees. A decorative string of Indian flags hangs across the top left of the scene.

जतरा लगाकर मेलजोल और
सुख-दुख का साझा करते थे।
उन्होंने कहा कि झारखण्ड प्रदेश में
आज भी मेला जतरा में आदिवासी
मूलवासियों की संस्कृति झलकती
है। इस ऐतिहासिक परंपरा को
बचाकर रखने की जिम्मेवारी युवा
पीढ़ी पर है। मौके पर धूम^मयूजिकल राची की ओर से
नागपुरी अर्केस्ट्रा का आयोजन
किया गया। कलाकार जादीश
बड़ाईक द्वारा नगपुरी गाना दिल्ली
गेले बदइल गेले गाना में उपस्थित
श्रोता द्वामने लगे। कलाकार उमेश

महली, राकेश बडाईंक, पंकज
रॉय, बिरसा कुमार, अनिता
बडाईंक, निशा कुमारी ने अपनी
प्रस्तुतिसे खूब वाह-वाही लूटी।
मौके पर भाजपा के जिला
उपाध्यक्ष कैलाश राम महतो, कर्ता
मंडल अध्यक्ष बालकिशन महतो,
बमरजा पंचायत मुखिया अनुप
कुजूर, दिलीप सिन्हा, विनोद नाग,
सुरेश जयसवाल, कलिंद्र राम,
करने बडाईंक, विकास मिश्रा,
तेम्बा उरांव, बिरसा धान के
अलावा काफी संख्या में ग्रामीण
उपस्थित थे।

चला गया। भाई को डूबता देख बचाने के के लिए सुमन भी आगे बढ़ी और डूब गई। दोनों को निकालने के लिए इनकी छोटी पांच साल की बहन ने अपना पैर पानी में डाल दिया, लेकिन वहीं मौजूद पड़ोस की लड़की ने उसका हाथ पकड़ कर खिंच लिया। इसके बाद उसी बच्ची ने गांव वालों को घटना की सूचना दी। उधर खफर मिलते ही गांव और आस पास के लोग दौड़े कर घटना स्थल पर पहुंचे। लेकिन तब तक दोनों बच्चें की जीवन लीला समाप्त हो चुकी थी। रामू उरांव चिमनी भट्टा पर काम करता है और मां दैनिक मजदूरी करती है। इस घटना से गांव में मातम पसरा हुआ है।

**मैकलुस्कीगंज : तालाब में
झूबने से दो बच्चों की मौत**

आजाद सिपाही संवाददाता

मैकलुस्कीरंग्ज। मैकलुस्कीरंग्ज के लपरा चट्टी नदी निवासी रिंकू उरांव के घर उस समय मात्र छा गया जब उसकी 10 वर्षीय पुत्री सुमन कुमारी और आठ वर्षीय पुत्र सचिन की पानी में ढूबने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सुमन और सचिन घर से 100 मीटर की दूरी पर बने एक तालाब में नहाने गए थे। दोनों भाई बहन पानी में एक डुबकी लगाने के बाद किनारे पर बैठ कर साबुन लगा रहे थे। अचानक साबुन हाथ से फिसल कर तालाब में चला गया। जिसे निकालने सचिन गया। उसका पैर फिसल जाने से वह अधिक गहराई में बचाने के के लिए सुमन भी आगे बढ़ी और डूब गई। दोनों को निकालने के लिए इनकी छोटी पांच साल की बहन ने अपमा पैर पानी में डाल दिया, लेकिन वही मौजूद पड़ोस की लड़की ने उसका हाथ पकड़ कर खींच लिया। इसके बाद उसी बच्ची ने गांव वालों को घटना की सूचना दी। उधर खपर मिलते ही गांव और आस पास के लोग दौड़े कर घटना स्थल पर पहुंचे। लेकिन तब तक दोनों बच्चे की जीवन लीला समाप्त हो चुकी थी। रामू उरांव चिमनी भट्टा पर काम करता है और मां दैनिक मजदूरी करती है। इस घटना से गांव में मातम पसरा हुआ है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी कल

खूंटी (आजाद सिपाही)। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर 31 अक्टूबर को खूंटी में सुबह 7.30 बजे बिरसा कॉलेज खूंटी हॉकी स्टेडियम से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा उपस्थित रहेंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार ने बताया कि रन फॉर यूनिटी हॉकी स्टेडियम बिरसा कॉलेज से शुरू होकर भगत सिंह चौक होते हुए सुधाष चंद्र बोस चौक पहुंचेगा और वहां से वापस हॉकी स्टेडियम आयेगी। सांसद प्रतिनिधि ने जिले के नागरिकों, खिलाड़ियों, खेल एसोसिएशन के सदस्यों छात्र-छात्राओं और प्रशासनिक अधिकारियों से कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया है।

खरना के साथ शुरू हुआ छठ व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास, पहला अर्ध आज

आजाद सिपाही संवाददाता

छठ महापर्व : अस्ताचलगामी सर्य को अर्घ्य आज

पिपरवार (आजाद सिपाही)।
लोक आस्था के महापर्व छठ के
दूसरे दिन छठ व्रतियों द्वारा पूरी
साफ-सफाई, श्रद्धा एवं नेत-
आस्था के साथ पूजाकर खरना
किया गया। शाम को छठ व्रतियों
के खरना का महाप्रासाद घृणन कर



लाउड स्पीकर पर बजने वाले छठ के पारंपरिक गीतों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो रहा है। सूर्योपासना के महापर्व के तीसरे दिन आज नदी एवं तालाब के घाटों पर जाकर छठ ब्रतियों द्वारा अस्ताचल होते भगवान सूर्य को पहला अर्ध दिया जाएगा। इसके लिए कोयलांचल क्षेत्र पिपरवार में स्थित सभी छठ घाटों की सफ

प्रांधन से वार्ता में पार्ट की भाँति वेबन भगवान के आश्वासन के बाट अवगोद ममात

ਤੇਤਨ ਕਟੌਤੀ ਦੇ ਨਾਗਰਿਕ ਲੇਤਲਿੰਗ ਸ਼ਹਿਰਾਂ ਲੇ 24

ବ୍ୟାଙ୍ଗ କେତେ

घंटे तक बंद रखी बचरा साइडिंग, किया प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता
पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र


लुंबई, उलिहातुं बी औ जोजेटोली की टीम महिला वर्ग में डौगड़ा ए पवं बलों की टीम और हाँकी पुरुष वर्ग में डौगड़ा ए टीम ने पहले राउंड के अपने-अपने मैच जीत कर अगले राउंड में प्रवेश किया। रविवार को सभी वर्गों का फाइनल मैच खेला जाएगा। बताया गया कि रविवार को समाप्त समारोह में खुट्टी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। शनिवार को उद्घाटन कार्यक्रम में धर्मगुरु बगरय मुंडा, मथुरा कंडीर, सोमा ओडेया, बिरसा कंडीर, बंटी ओडेया, कोलाय

ਕ ਬਧਰਾ ਸ਼ਾਇੰਡਿਂ ਮ ਕਾਮ ਕਰ
ਵਾਲੇ ਲੋਵਲਿੰਗ ਸੁਜ਼ਦਰੋਂ ਜੇ ਕੇਵਲ

सेवानिवृत कर्मचारी ब्रजमोहन प्रसाद का निधन

खलारी (आजाद सिपाही)। एसीसी सिमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत कर्मचारी सह दैनिक अखबार के खलारी प्रतिनिधि थीरेन्ड्र प्रसाद के बड़े भाई 79 वर्षीय ब्रजमोहन प्रसाद का शनिवार की सुबह खलारी स्थित आवास में निधन हो गया। शनिवार तड़के उनकी तबीयत खराब हुई थी। ब्रजमोहन प्रसाद के पिता राजकिशोर प्रसाद और गांबाद जिला के मदनपुर थाना क्षेत्र के जुड़ाही गांव से नौकरी करने वर्ष 1945 में खलारी आये थे। पिता के नौकरी में रहते हुए ही ब्रजमोहन प्रसाद एसीसी सिमेंट फैक्ट्री के क्वायरी में और बाद में फैक्ट्री के लैब में काम करते हुए वर्ष 2006 में सेवानिवृत हुए थे। वे अपने पीछे दो पुत्र व एक पुत्री सहित भरापूर परिवार छोड़ गये। वे अपने समय में खलारी क्षेत्र के सामाजिक व धार्मिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेते थे।

खलारी (आजाद सिंहाही)। एसीसी सिमेंट फैक्ट्री के सेवानिवृत् कर्मचारी सह दैनिक अखबार के खलारी प्रतिनिधि थीरेन्द्र प्रसाद के बड़े भाई 79 वर्षीय ब्रजमोहन प्रसाद का शनिवार की सुबह खलारी स्थित आवास में निधन हो गया। शनिवार तड़के उनकी तबीयत खराब हुई थी। ब्रजमोहन प्रसाद के पिता राजकिशोर प्रसाद औरगांवाद जिला के मदनपुर थाना क्षेत्र के जुड़ाही गांव से नौकरी करने वर्ष 1945 में खलारी आये थे। पिता के नौकरी में रहते हुए ही ब्रजमोहन प्रसाद एसीसी सिमेंट फैक्ट्री के क्वारी में और बाद में फैक्ट्री के लैब में काम करते हुए वर्ष 2006 में सेवानिवृत् हुए थे। वे अपने पीछे दो पुत्र व एक पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये। वे अपने समय में खलारी क्षेत्र के सामाजिक व धार्मिक कार्यों में बढ़चढ़ कर भाग लेते थे।

इंसाइटी के साथ वेदांत लांजीगढ़ ने समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर

आजाद सिपाही संबादपत्र

भुवनेश्वर। लांजीगढ़ वेदांत लिमिटेड भारत के मेटलोर्जिकल ग्रेड एल्यूमिना के प्रमुख उत्पादक, उन्होंने कर्मचारी राज्य बीमा निगम (इंसाइटी) के साथ समझौतारी की है, ताकि अपने शॉपफ्लोर स्तर के कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों को अधिक कर्मचारी कल्याण लाभ उपलब्ध करा सकें। इस समझौते के विस्ते के रूप में लांजीगढ़ कलाहांडी ओडिशा में वेदांत अस्पताल को अब एक नियोक्ता उपयोग और्ध्वाधालय के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह मान्यता इंसाइटी लाभार्थियों (कुछ वेदांत वर्ग से संबंधित) को अब इस अस्पताल के लिए वेदांत अस्पताल में कैशलेस व्यापक प्रार्थनिक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने की अनुमति देती है।



इंसाइटी के साथ समझौता ज्ञापन के बारे में खोलते हुए जीनी पाल अतिरिक्त सीईओ एल्यूमिना बिजिनेस वेदांत लिमिटेड ने कहा कि हमारे कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय को 15 वर्षों से अधिक समय तक सेवा दी है, बहुत सस्ती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सहायता प्रदान की है। इंसाइटी के माध्यम से, हम अब इस अस्पताल के माध्यम से अपने शॉपफ्लोर स्तर के कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों को अतिरिक्त कल्याणकारी योजनाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उद्दीपन कहा कि लांजीगढ़ में हमारे वेदांत अस्पताल ने हमारे कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय को 15 वर्षों से अधिक समय तक सेवा दी है, बहुत सस्ती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सहायता प्रदान की है। इस अस्पताल के माध्यम से, हम अब इस अस्पताल के माध्यम से अपने शॉपफ्लोर स्तर के कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों को अतिरिक्त चिकित्सा लाभ प्रदान करते हुए प्रसन्न हैं।

बौध जिला प्रशासन के साथ समझौता ज्ञापन पर एमसीएल ने किया हस्ताक्षर

आजाद सिपाही संबादपत्र

संबलपुर। अपनी सीएसआर पहल के तहत महानदी कोलफाईल्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने 98.50 लाख रुपये की लागत से बौध जिले की परांपरिक कला और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए बौध जिला प्रशासन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस परियोजना के अंतर्गत जिला संग्रहालय, बौध, 1921 में निर्मित पुरानी इमारत जो पहले राजा के दरबार के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, को



टेक्सटाइल गैलरी के मिरांग के साथ हैंगिंग क्राफ्ट्स, एवेंरियम, लाइब्रेरी पैंड रिसर्च रूम, आँड़यो विजुअल हॉल और फूड कोर्ट के बौध जिला संग्रहालय, बौध, 1921 में निर्मित पुरानी इमारत जो पहले राजा के दरबार के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, को विस्तार होने के साथ-साथ बौध

जिले के स्थानीय शिल्प, हथकरघा, द्वितीय, संस्कृत और परंपराओं को प्रदर्शित और संरक्षित करने की भी योजना है।

एमसीएल की ओर से

एमसीएल के महाप्रबंधक

(सीएसआर)

रजनीकांत

राजनीकांत

राजनीकांत